Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 15

No. of Printed Pages – 7

SS-01-Hindi (C) (Supp.)

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2017

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2017

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : 3¼ **घण्टे**

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में निर्धारित शब्द–सीमा में लिखें ।

4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

खण्ड – क

1) निम्नांकित अपठित काव्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
    तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे!
    जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे!
उपशम को ही जो जाति धर्म कहती है,
शम, दम, विराग को श्रेष्ठ कर्म कहती है,
धृति को प्रहार, क्षान्ति को वर्म कहती है,
अक्रोध, विनय को विजय–मर्म कहती है,
    अपमान कौन, वह जिसको नहीं सहेगी?
    सब को असीस, सब का बन दास रहेगी।।

अ) 'छोड़ो मत अपनी आन' में कवि का क्या भाव है? [2]

ब) 'दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

स) 'भले व्योम फट जाए' से कवि क्या प्रेरणा देना चाहता है? [2]

द) 'सब का बन दास रहेगी' सब का दास कौन और क्यों बनेगा? [2]

2) निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :
(उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द)

सभी प्रकार की शिक्षा और अभ्यास का उद्देश्य 'मनुष्य' निर्माण ही हो। सभी प्रशिक्षणों का अन्तिम ध्येय मनुष्य का विकास करना ही है। जिस प्रक्रिया से मनुष्य की इच्छा शक्ति का प्रवाह और प्रकाश संयमित होकर फलदायी बन सके, उसी का नाम है शिक्षा। आज हमारे देश को जिस चीज की आवश्यकता है, वह है लोहे की माँसपेशियाँ और फौलाद के स्नायु–दुर्दमनीय प्रचण्ड इच्छाशक्ति जो सृष्टि के गुप्त तथ्यों और रहस्यों को भेद सके और जिस उपाय से भी हो अपने उद्देश्य की पूर्ति करने में समर्थ हो, फिर चाहे उसके लिए समुद्र–तल में ही क्यों न जाना पड़े–साक्षात मृत्यु का ही सामना क्यों न करना पड़े! हम 'मनुष्य' बनाने

वाला धर्म ही चाहते हैं। हम 'मनुष्य' बनाने वाला सिद्धान्त ही चाहते हैं। हम सर्वत्र, सभी क्षेत्रों में 'मनुष्य' बनाने वाली शिक्षा ही चाहते हैं।

अ) गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [2]

ब) लेखक के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए? [2]

स) 'मनुष्य' से क्या तात्पर्य है? [2]

द) वर्तमान में हमारे राष्ट्र को कैसे मनुष्यों की आवश्यकता है? [2]

खण्ड – ख

3) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : [7]

अ) बढ़ता प्रदुषण घटता जीवन

ब) आतंकवाद : विश्व व्यापी समस्या

स) जल ही जीवन है।

द) योग भगाये रोग

य) मेरा रंगीला राजस्थान

4) अपने विद्यालय में मनाये गए 'योग–दिवस' अथवा 'स्वतन्त्रता दिवस' पर एक प्रतिवेदन लिखिए। (उत्तर सीमा-100 शब्द) [4]

5) ग्राम पंचायत क ख ग के सचिव की ओर से अपने जिला कलेक्टर, बीकानेर को गाँव में फैली मौसमी बीमारियों के उपचारार्थ चिकित्सकों की टीम भेजने हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए। (उत्तर सीमा–100 शब्द) [3]

अथवा

जिला शिक्षा अधिकारी भरतपुर की ओर से सचिव, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर को राजकीय माध्यमिक विद्यालय मोहनपुरा, भरतपुर में बोर्ड परीक्षा केन्द्र की स्वीकृती हेतु कार्यालयी पत्र लिखिए।[3] (उत्तर सीमा-100 शब्द)

6) निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर आलेख लिखिए : (उत्तर सीमा-80 से 100 शब्द) [4]

अ) युवाओं मे बढ़ती नशे की प्रवृत्ति

ब) बढ़ती सड़क दुर्घटनाएँ

स) स्त्री शिक्षा की महत्ता

7) निम्नांकित विषयों में से किसी एक विषय पर फीचर लिखिए : [4]

अ) तनावपूर्ण जीवन शैली

ब) मेरे विद्यालय का पुस्तकालय

स) युवाओं में बढ़ती जंक फूड की प्रवृत्ति

खण्ड – ग

8) निम्नांकित पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं
पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है
उनके बेचैन पैरों के पास।

अ) पतंगों के साथ-साथ कौन और कैसे उड़ रहे है? [2]

ब) छत के खतरनाक किनारों से बचकर गिरने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती है? [2]

स) 'पृथ्वी और भी तेज घूमती हुई आती है, उनके बेचैन पैरों के पास' पंक्ति के भाव को स्पष्ट कीजिए। [2]

द) 'अपने रंध्रों के सहारे' पंक्ति का तात्पर्य समझाइए। [2]

अथवा

जिन्दगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है,
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है-
संवेदन तुम्हारा है!!

अ) कवि को अपने जीवन की हर प्राप्ति सहर्ष क्यों स्वीकार है? [2]

ब) कवि को किन-किन चीजों पर गर्व है? [2]

स) 'गरबीली गरीबी' में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए। [2]

द) 'संवेदन तुम्हारा' से क्या आशय है? [2]

9) निम्नांकित पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर
ऐ विप्लव के वीर!

अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइये। [2]

ब) उपर्युक्त काव्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए। [2]

अथवा

तव प्रताप उर राखि प्रभु जैहउँ नाथ तुरंत।
अस कहि आयसु पाइ पद बंदि चलेउ हनुमंत।।
भरत बाहु बल सील गुन प्रभु पद प्रीति अपार।
मन महुँ जात सराहत पुनि पुनि पवन कुमार।।

अ) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए। [2]

ब) प्रस्तुत काव्यांश की शिल्पगत विशेषताएँ बताइए। [2]

10) पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए गए तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द) [2 × 1½ = 3]

अ) ''मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना।'' 'आत्म परिचय'
कविता में कवि सीखे हुए ज्ञान को भुलाना क्यों सीख रहा है?

ब) ''बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
जरा टेढ़ी फँस गई।''
कविता में निहित कवि के भाव को स्पष्ट कीजिए।

स) ''बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो।
'उषा' कविता में कवि के चित्रित भाव को स्पष्ट कीजिए।

11) निम्नांकित पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है।)

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत

में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी, तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है? मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है।

अ) 'बाजार का जादू' से लेखक का क्या तात्पर्य है? [2]

ब) 'बाजार का जादू' किसको सबसे अधिक प्रभावित करता है? [2]

स) 'मन खाली होने' से क्या अभिप्राय है? [2]

अथवा

वे सचमुच ऐसे दिन होते जब गली मुहल्ला, गाँव-शहर हर जगह लोग गरमी में भुन-भुन कर त्राहिमाम कर रहे होते, जेठ के दस तपा बीत कर आषाढ़ का पहला पखवारा भी बीत चुका होता पर क्षितिज पर कहीं बादल की रेख भी नहीं दीखती होती, कुएँ सूखने लगते, नलों में एक तो बहुत कम पानी आता और आता भी तो आधी रात को भी मानो खौलता हुआ पानी हो। शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी। जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूख कर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़ कर जमीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलते-चलते आदमी आधे रास्ते में लू खा कर गिर पड़े। ढोर-ढंगर प्यास के मारे मरने लगते लेकिन बारिस का कहीं नाम निशान नहीं, ऐसे में पूजा पाठ, कथा विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती यह इंदर सेना।

अ) लेखक ने गर्मी की प्रचण्डता का किस प्रकार वर्णन किया है? [2]

ब) अनावृष्टि के कारण गाँव की कैसी हालत हो रही थी? [2]

स) गाँव में बारिश बुलाने के लिए अंतिम उपाय कौनसा और कब किया जाता था? [2]

12) पठित गद्य पाठों की विषय-वस्तु पर आधारित निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है।) [3 × 3 = 9]

अ) भक्तिन अनपढ होते हुए भी विदूषी लेखिका का किस प्रकार सहयोग करती थी?

ब) 'पहलवान की ढ़ोलक' पाठ में लुट्टनसिंह पहलवान जिजीविषा का अद्‌भुत नायक है।' कैसे? समझाइए।

स) 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

द) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन की दृष्टि से जाति प्रथा के क्या-क्या दोष माने गए है? समझाइए।

खण्ड – घ

13) पाठों की विषय वस्तु पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : [2 × 3 = 6]

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द है।)

अ) यशोधर बाबू समय के साथ ढ्ल सकने में असमर्थ रहते हैं। ऐसा क्यों?

ब) 'जूझ' पाठ के द्वारा लेखक पाठकों को क्या संदेश देना चाहता है? समझाइए।

स) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिन्धु घाटी सभ्यता में खेती का वर्णन कीजिए।

14) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए : [2 × 1½ = 3]

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द है।)

अ) 'जूझ' पाठ में लेखक ने कवि बनने के लिए क्या प्रयास किए थे?

ब) मुअनजोदड़ो के प्रसिद्ध जलकुण्ड की विशेषताएँ बताइए।

स) एन. फ्रेंक ने अपनी डायरी में युद्ध की भयावहता का वर्णन किस प्रकार किया है?

15) विषय वस्तु पर आधारित दिए गए दो प्रश्नों में से किसी एक निबंधात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (उत्तर सीमा 40 से 60 शब्द) [1 × 3 = 3]

अ) आधुनिकता की ओर बढ़ता हमारा समाज जहाँ एक ओर नई उपलब्धियों को समेटे हुए है तो दूसरी ओर मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने वाले मूल्य कहीं घिसटते चले गए हैं।

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर कथन को सिद्ध कीजिए।

ब) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर एन. फ्रेंक के नारी विषयक विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

● ● ●

DO NOT WRITE ANYTHING HERE